C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड – क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द माना गया है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है पर अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्वारा ही संभव है।

यदि मनुष्य वास्तव में आत्मिक सुख को खरीदना चाहे तो उसे इसके बदले में उसी के समकक्ष चीज देनी होगी। यदि वास्तव में हम संयम, सहिष्णुता, धैर्य, सहानुभूति और प्रेम को अपने हृदय में उत्पन्न करना चाहें तो हमें इनके बदले में अपनी मनोवृत्तियों की उच्छृंखलता, स्वार्थ, लम्पटता और मानसिक चपलता से विदा लेनी होगी। लोभी मनुष्य का द्रव्य से चाहे कितना ही प्रेम क्यों न हो यदि वह अपने

शारीरिक आराम को चाहता है, तो उसे अपना द्रव्य अवश्य खर्च करना पड़ेगा। इसी भाँति स्वार्थ का त्याग करने में हमें कितना ही कष्ट क्यों न हो, बिना उससे छुटकारा पाये हम आत्मिक उन्नति प्राप्त नहीं कर सकते। धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो। वह कृपण, जो लक्ष-लक्षमुद्राओं के रहते भी द्रव्य-प्रेम के कारण आवश्यक सामग्रियों को नहीं जुटाता, निस्संदेह दया का पात्र है। इसी भाँति चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढबुद्धि है। प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय। स्वार्थ के वशीभूत होकर मनुष्य दूसरों की सुख-सामग्री को छीन-छीनकर अपने सुख के लिए एकत्र करता है। दूसरों की उसे जरा भी चिन्ता नहीं रहती। अतएव वह कृपण मनुष्य के सदृश्य अपना द्रव्य अपने ही पास रखना चाहता है परन्तु धर्म का, सिद्धान्त इसके विपरीत है। धर्म चाहता है कि मनुष्य अपने सुख का उपभोग स्वत: भी करे और दूसरे मनुष्यों को सुख देने के लिए भी तत्पर रहे।

1. संसार की सबसे से बड़ी चीज क्या और क्यों हैं?
2. अधिकांश लोग क्या नहीं समझते हैं?
3. धन का उपयोग क्या है?
4. मनुष्य के ह्रदय में क्रोध की सृष्टि क्यों हुई है?
5. मूढबुद्धि कौन है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [1]

उनी, पत्रकार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए: [1]

अभिनय, उत्तीर्ण

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए: [1]

विख्यात, स्वल्प

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

नौवाँ, प्रभुत्व

ड.) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- गंगा-यमुना
- अनुरूप

च) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। [2]

- देह रूपी लता
- श्वेत है अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती जी

छ) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : [4]

1. चीनी मीठी होती है।
2. काश मेरे भी पंख होते।
3. कृपया आप सब शांत रहे।
4. अहा! क्या दृश्य है।

ज) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए: [4]

1. मन की मन ही माँझ
2. मानुबंस राकेस कलंकु
3. काँच को करके दिखा देते हैं, वे उज्ज्वल रतन

4. पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: [3×2=6]

सेनापति ने दुःख प्रकट करते हुए कहा,कि कर्तव्य के अनुरोध से मुझे यह मकान गिराना ही होगा। इस पर बालिका ने अपना परिचय बताते हुए कहा कि- "मैं जानती हूँ, कि आप जनरल 'हे' हैं। आपकी कन्या मेरी में और मुझ में बहुत प्रेम संबंध था। कई वर्ष पूर्व मेरी मेरे पास बराबर आती थी और मुझे ह्रदय से चाहती थी। उस समय आप भी हमारे यहाँ आते थे और मुझे अपनी पुत्री के ही समान प्यार करते थे। मालूम होता है, कि आप वे सब बातें भूल गए हैं। मेरी की मृत्यु से मैं बहुत दुखी हुई थी; उसकी एक चिट्ठी मेरे पास अब तक है।" यह सुनकर सेनापति के होश उड़ गए। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ, और फिर उस बालिका को भी पहिचाना, और कहा- "अरे यह तो नाना साहब की कन्या मैना है! "

क) उपर्युक्त गद्यांश में किसके मकान को गिराने की बात की जा रही है?

ख) सेनापति के होश क्यों उड़ गए?

ग) मैना ने सेनापति को क्या याद दिलाया?

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. 'साँवले सपनों की याद' पाठ में लेखक ने सलीम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भो को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

3. 'हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था'। - उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।
4. लेखिका महादेवी ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
5. कांजीहौस के अंदर का दृश्य कैसा था?

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर
एक उजली चटुल मछली
चोंच पीली में दबाकर
दूर उड़ती है गगन में।
औ यहीं से
भूमि ऊँची है जहाँ से
रेल की पटरी गयी है
ट्रेन का टाइम नहीं है
मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ
जाना नहीं है।

1. काले माथे और सफ़ेद पंखों वाली चिड़िया आपकी दृष्टि में किस प्रकार के व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है?
2. 'टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर' पंक्ति का क्या अर्थ है?
3. 'मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ'– पंक्तियों से कवि क्या तात्पर्य है?

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?
2. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?
3. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए? उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए?
4. वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!- पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
5. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की– समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
2. 'आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी।'- इस कथन के आधार पर माटी वाली के ह्रदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

- वृक्ष लगाओ देश बचाओ
- बढ़ती जनसंख्या
- किसान

प्र.9. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।
2. आपके मोहल्ले में जल-आपूर्ति नियमित रुप से नहीं हो रही है जल-संस्थानक के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

प्र. 10. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।
   ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?
2. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।